Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

D—6706

PAPER—III

ARCHAEOLOGY

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नज़्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उज़र, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिज़्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिज़्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारज़्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निज़्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संज़्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उज़र-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उज़र-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उज़र-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उज़र के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

ARCHAEOLOGY

पुरातत्व विज्ञान

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : **यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अज्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उज़र अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।**

SECTION - I

खण्ड—I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

The pattern of development of material cultures in India is conditioned largely by geographical and ecological factors, which have turned parts of the country into areas of attraction and isolated others. While the former show a pattern of developing cultures with movements of ideas and peoples, the latter show the continuing traditions and technology of primitive societies unaffected by the civilizing process. In this context, the geographical situation of the subcontinent needs emphasis. Being peripheral to countries of the Orient such as Iraq, Iran, and Afganistan, India was open to various influences from that area. These influences were ultimately absorbed into the different cultures. A uniform pattern of cultural diversity of India, where Stone Age communities retaining their self-sufficiency lived contemporaneously with fully urbanized cultures.

भारत में भौतिक संस्कृतियों के विकास का प्रतिमान अधिकांशत: भौगोलिक एवं पारिस्थितिक तथ्यों पर आधारित रहा है। इन तथ्यों ने इस देश के कुछ हिस्सों को आकर्षण का क्षेत्र तथा अन्य को बिलगाव का क्षेत्र बना दिया। इनमें प्रथम क्षेत्र में विभिन्न प्रजातियों के गमनागमन तथा विचारों के आदान-प्रदान के कारण संस्कृतियों में विकास दिखाई देता है तो दूसरी ओर सज़्यीकरण की प्रक्रिया से अप्रभावित

आदिम संस्कृतियों की परज़्पराओं और तकनीकी का सातत्य मिलता है। इस संदर्भ में इस उपमहाद्वीप की भौगोलिक स्थिति पर ध्यान देना होगा। प्राच्य के ईराक, ईरान तथा अफगानिस्तान जैसे देशों का सीमावर्ती देश होने के कारण भारत में इन क्षेत्रों से विभिन्न प्रकार के प्रभाव आते रहे और इन सभी प्रभावों को कालान्तर में विभिन्न संस्कृतियों द्वारा जज्ब किया जाता रहा। यही कारण है कि भारत जैसे विशाल तथा सांस्कृतिक विविधता वाले देश में संस्कृतियों का विकास क्रम एक जैसा नहीं रहा। फलस्वरूप इस उपमहाद्वीप के एक क्षेत्र में पूर्णत: नागरक सज़्पदायें विकसित हुई तो दूसरी ओर समकालीन प्रस्तर युगीन आदिम संस्कृतियाँ अपनी पूर्ण आत्मतृप्ति लिए हुए साथ-साथ जीवित रहीं।

1. Identify the areas of attraction and isolation based on the distribution of prehistoric sites in the Indian Subcontinent.

भारतीय उपमहाद्वीप में प्रागैतिहासिक पुरास्थलों के वितरण के आधार पर आकर्षण एवं बिलगाव के क्षेत्रों को अलग कीजिए।

2. Trace the continuity of prehistoric traditions and technologies among the present day primitive societies.

आज की आदिम संस्कृतियों में प्रागैतिहास की परज़्पराओं और तकनीकी के सातत्य को रेखांकित कीजिए।

3. Discuss the role of geographical factors in the spread of ideas and peoples across the subcontinent.

इस उपमहाद्वीप में विचारों और निवासियों के प्रसरण के लिए भौगोलिक तत्व कहाँ तक उज़रदायी हैं?

4. Identify the patterns of diversity among the primitive and agricultural societies.
आदिम तथा कृषि आधारित समाजों में विभिन्नताओं के प्रतिमानों को रेखांकित कीजिए।

5. Discuss the growth of prehistoric cultures.
प्रागैतिहासिक संस्कृतियों के विकास की विवेचना कीजिए।

SECTION - II

खण्ड—II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उज़र लगभग तीस (30) शज़्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. Write a short essay on the growth of archaeology in post Independence India.
स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारतीय पुरातत्व के विकास पर लघु निबन्ध लिखिए।

7. Discuss archaeology's relation with natural sciences.
अन्य प्राकृतिक विज्ञानों से पुरातत्व विज्ञान के सज़्बन्ध की विवेचना कीजिए।

8. Discuss the usefulness of experimental archaeology in the study of past technology.
विगत युगों के तकनीकी के अध्ययन में प्रयोगात्मक पुरातत्व की उपादेयता की विवेचना कीजिए।

9. Mention the important Mesolithic sites in India.
भारत के प्रमुख मध्यप्रस्तर युगीन पुरास्थलों की परिगणना कीजिए।

10. Identify the different Neolithic provinces of India, Mention important excavations.
भारत के विभिन्न नवपाषाण कालीन प्रान्तों के प्रमुख उत्खननों का उल्लेख कीजिए।

11. Examine the evidence for fire-worship during the Harappan period.

हड़प्पा संस्कृति में अग्नि पूजा के प्रमाण का परीक्षण कीजिए।

12. State the different Stages of shell bangle manufacturing during the Harappan times in Gujarat.

गुजरात में हड़प्पा संस्कृति में शंख की चूड़ियों के निर्माण के विभिन्न चरणों को रेखांकित कीजिए।

13. Define the distinct zones of the Copper Hoard culture.

ताम्रनिधि संस्कृति के विभिन्न प्रान्तों को परिभाषित कीजिए।

14. Though there is variation in the architecture of megalithic monuments there is uniformity in its material culture. Discuss.

'यद्यपि बृहत्पाषाणिक स्मारकों के वास्तु में विभिन्नता दिखाई देती है, उनकी भौतिक संस्कृति में एकरूपता है।' इस कथन की विवेचना कीजिए।

15. Discuss the importance of Chandraketugarh in the early historic archaeology of India.
भारत के आद्यऐतिहासिक पुरातत्व में चन्द्रकेतुगढ़ के महत्व की विवेचना कीजिए।

16. Highlight the characteristics of the Amaravati Buddhist art.
अमरावती की बौद्ध कला के प्रमुख लक्षणों को रेखांकित कीजिए।

17. Write a note on the Vesara style of temple architecture.
मन्दिर - वास्तु की वेसर शैली पर टिप्पणी लिखिए।

18. Write a note on the technique of manufacture of the Chola bronzes.
चोल कांस्य प्रतिमाओं के निर्माण तकनीक पर टिप्पणी लिखिए।

19. Discuss the un-inscribed cast-coins.
अनभिलेखित ढालित सिज़्कों की विवेचना कीजिए।

20. Bringout the importance of the Gwalior inscription of Mihir Bhoja.
मिहिरभोज के ग्वालियर अभिलेख के महत्व का निरूपण कीजिए।

SECTION - III
खण्ड—III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अज़्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उज़र देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उज़र लगभग दो सौ (200) शज़्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प—I

21. Write a note on the Upper Palaeolithic Culture in the Belan Valley.

बेलनघाटी में उच्चपुरापाषाणिक संस्कृति पर टिप्पणी लिखिए।

22. Give an account of the Acheulian culture of the Hunsgi valley.

हुंसगी घाटी की अशूलियन संस्कृति का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

23. Estimate the importance of rock-paintings in the study of the Mesolithic culture.

मध्य प्रस्तर संस्कृति के अध्ययन में शैल चित्रों के महत्व का मूल्यांकन कीजिए।

24. Bring out the importance of the Kashmir Neolithic culture.

कश्मीर की नवपाषाण कालीन संस्कृति के महत्व का निरूपण कीजिए।

25. Discuss the development of the Ganga Valley Neolithic culture.

गंगा घाटी की नवपाषाण कालीन संस्कृति के विकास की विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प—II

21. Assess the contribution of Mehrgarh in the development of Pre-Harappan culture.

प्राक्-हड़प्पीय संस्कृति के विकास में मेहरगढ़ के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

22. Explain the difference between the Sorath and Sindhi Harappan settlements in Gujarat.

गुजरात में सोरठ एवं सिन्धी हड़प्पा पुरास्थलों के अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

23. Critically assess the importance of the Harappa culture with particular reference to its organised urban life.

संगठित नगरी जीवन के विशेष संदर्भ में हड़प्पा संस्कृति के महत्व का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

24. Evaluate the Banas chalcolithic culture in the light of recent archaeological dates.

हाल के वर्षों में प्राप्त पुरातात्विक तिथियों के प्रकाश में बनास ताम्र-पाषाणिक संस्कृति का मूल्यांकन कीजिए।

25. Outline the salient features of the chalcolithic cultures of the Ganga plain.

गंगा घाटी की ताम्र-पाषाण कालीन संस्कृतियों के प्रमुख तत्वों को रेखांकित कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प—III

21. Trace the spatial distribution of the NBP sites in northern and central India.
उज़र एवं मध्य भारत में एन.बी.पी. पुरास्थलों की भौगोलिक स्थिति पर प्रकाश डालिए।

22. Give an account of Taxila excavations.
तक्षशिला उत्खनन का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

23. Discuss the importance of Mathura as a school of art during the Kushana period.
कुषाण काल में कला-केन्द्र के रूप में मथुरा के महत्व की विवेचना कीजिए।

24. Give an account of the material culture of the Kushanas.
कुषाणों की भौतिक संस्कृति का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

25. Give an account of the main features of the Gupta material culture.
गुप्त कालीन भौतिक संस्कृति के प्रमुख तत्वों की परिगणना कीजिए।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प—IV

21. Write a note on the Ayaka pillars of Nagarjuna konda.
नागार्जुनकोण्डा के आयका स्तज़्भों पर टिप्पणी लिखिए।

22. Write a note on the Orissan style of temple architecture.
उड़ीसा शैली के मन्दिर वास्तु पर टिप्पणी लिखिए।

23. What are the characteristic features of the Dravida temple architecture ?
द्रविड़ मन्दिर स्थापत्य के प्रमुख तत्व ज़्या हैं ?

24. Bring out the salient features of the Gandhara school.
गांधार कला के प्रमुख तत्वों का निरूपण कीजिए।

25. Describe the Hinayana rock-cut caves of western India.
पश्चिम भारत के हीनयान शैल गुहा स्थापत्य का वर्णन कीजिए।

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प—V

21. Discuss the origin of the Kharoshthi script.
खरोष्ठी लिपि की उत्पज़ि की विवेचना कीजिए।

22. Evaluate the contents of the Asokan Rock Edict XII.
अशोक के शिलालेख XII की विषय वस्तु का मूल्यांकन कीजिए।

23. Write a note on the Besnagar Garud pillar inscription.
बेसनगर गरुड़ स्तज़्भ लेख पर टिप्पणी लिखिए।

24. Discuss the importance of the Hathigumpha inscription of Kharvela.
खारवेल के हाथीगुज़्फा अभिलेख के महत्व की विवेचना कीजिए।

25. Write a note on the punch-marked coins.
आहत सिज़्कों पर टिप्पणी लिखिए।

SECTION - IV
खण्ड—IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उज़र निज़नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शज़्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. (a) Archaeology aims at a holistic reconstruction of the past. Explain.

''पुरातत्व का उद्देश्य है भूतकाल का सज़्पूर्ण निर्माण।'' इस कथन की विवेचना कीजिए।

OR / या

(b) Examine the various theories regarding the decline of the Indus Civilization.

सिन्धु सज़्यता के पतन सज़्बन्धी विभिन्न मतों की परीक्षा कीजिए।

OR / या

(c) Prepare a research project on Mauryan art and discuss its proposed approach and methodology.

मौर्य कला पर एक शोध-प्रारूप तैयार कीजिए तथा उसके शोध के तरीके एवं विधान की विवेचना कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....